अब एटीकेटी में भी पुनर्मूल्यांकन

जोधपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय ने आदेश जारी किया

भास्कर न्यूज | जोधपुर

जोधपुर नेशनल यूनिवर्सिटी ने अपने सभी पाठ्यक्रमों में एटीकेटी (एलाउड टू केप्ट टर्म) में रिवेल्यूएशन की व्यवस्था शुरू कर दी है। यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति कमल मेहता के निर्देश पर सोमवार को ये आदेश जारी किए गए है। इस निर्णय से यूनिवर्सिटी से जुड़े कई पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को फायदा मिलेगा।

यूनिवर्सिटी प्रशासन का मानना है कि अब तक सामान्य कोर्स में पूरक व प्रोफेशनल कोर्स में एटीकेटी को एक जैसा माना जाता था और एटीकेटी व पूरक परीक्षा में पुनर्मूल्यांकन की व्यवस्था नहीं थी, लेकिन एटीकेटी में विद्यार्थी की आशा के अनुरूप नंबर नहीं आते है तो उसे पुनर्मूल्यांकन का अधिकार होना चाहिए। इसी को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। इस निर्णय के लागू होने के बाद जेएनयू से जुड़े विद्यार्थी एटीकेटी में भी पुनर्मूल्यांकन का फायदा उठा सकेंगे। इस निर्णय से एमबीए, इंजीनियरिंग, फॉर्मेसी, फिजियोथैरेपी, बीबीए व बीसीए से जुड़े लगभग 2 हजार विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा।

पूरक व एटीकेटी में फर्क : सामान्य कोर्स में पूरक देने का प्रावधान होता है, लेकिन पूरक में चाहे कितने भी नंबर आए, लेकिन जोड़े 40 फीसदी अंक ही जाते है। एटीकेटी में जितने नंबर आते है, उतने ही जोड़े जाते है।

क्या होगा फायदा : प्रोफेशनल कोर्स में यदि किसी के एटीकेटी आती है और विद्यार्थी को संदेह होता है कि उसके इस विषय में ज्यादा नंबर आने चाहिए थे, तो वह रिवेल्यूएशन करवा सकेगा। यदि वह सही है तो उसके नंबर बढ़ जाएंगे।

> जोधपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में एटीकेटी में रिवेल्यूएशन की व्यवस्था लागू कर दी गई है। इससे करीब 2 हजार विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा।
>
> **कमल मेहता,** कुलाधिपति, जेएनयू

अन्य यूनिवर्सिटी में यह व्यवस्था नहीं : राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी व जयनारायण व्यास यूनिवर्सिटी में भी कई प्रोफेशनल कोर्स चलते हैं। इनमें अभी तक रिवेल्यूएशन की व्यवस्था नहीं है। इस निर्णय के लागू होने के बाद इस मामले में इन्हें भी विचार करना होगा।

आरटीयू को पत्र भेजा : मारवाड़ इंजीनियरिंग कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर ने राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी को एक पत्र भेजकर आग्रह किया था कि वे भी यूनिवर्सिटी व अपने संबद्ध महाविद्यालयों में यह व्यवस्था लागू करें।